भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2329

15 मार्च, 2023 को उत्तर के लिए

इस्पात का उत्पादन

2329. श्री कृपाल बालाजी तुमाने:
श्रीमती भावना गवली (पाटील):

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान में देश में इस्पात संयंत्रों की कुल संख्या कितनी है और उनके नाम क्या हैं तथा इनमें रूग्ण इस्पात संयंत्रों की संख्या कितनी है तथा उनके पुनरूद्धार के लिए सरकार के द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं और विगत पांच वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान इस्पात के उत्पादन के संबंध में लक्ष्यों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उक्त लक्ष्य प्राप्त कर लिये गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) कितने इस्पात संयंत्र कार्यरत हैं और लाभ अर्जित कर रहे हैं;

(घ) क्या यह सच है कि कुछ इस्पात संयंत्रों को बंद कर दिया गया है अथवा उन्हें रूग्ण घोषित कर दिया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उक्त इस्पात संयंत्रों के पुनरूद्धार के लिए सरकार के द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं अथवा क्या प्रयास किए गए हैं/किए जा रहे हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)**

(क) से (ङ): उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2021-22 में देश में क्रूड इस्पात का उत्पादन करने वाले इस्पात संयंत्रों की संख्या 901 थी जिनकी कुल क्षमता 154.06 मिलियन टन थी। देश में इस्पात उत्पादन का राज्य-वार ब्यौरा **अनुलग्नक-I** में दिया गया है। इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है, सरकार की भूमिका एक सुविधाप्रदाता की है। इस्पात संयंत्रों के पुनरूद्धार/बंद करने जैसे निर्णय अलग-अलग कंपनियों द्वारा समय-समय पर वाणिज्यिक सोच-विचारों और बाजार के समीकरणों के आधार पर लिये जाते हैं।

इस्पात मंत्रालय के अधीन दो इस्पात विनिर्माण केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (सीपीएसई) नामत् स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) हैं। विगत पाँच वर्षों के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का इस्पात उत्पादन का लक्ष्य/उपलब्धि का ब्यौरा निम्नानुसार है:

इकाई: एमटी

वित्त वर्ष	**2017-18**		**2018-19**		**2019-20**		**2020-21**		**2021-22**	
	एमओयू	**वास्तविक**	**एमओयू**	**वास्तविक**	**एमओयू**	**वास्तविक**	**एमओयू**	**वास्तविक**	**एमओयू**	**वास्तविक**
सेल	16.16	15.02	16.73	16.27	17.27	16.16	16.40	15.22	17.81	17.37
आरआईएनएल	4.80	4.50	5.50	5.00	5.80	4.45	5.40	4.16	5.50	5.14
स्रोत: स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)										

दोनों सीपीएसई रूग्ण सीपीएसई की श्रेणी में नहीं आते हैं। निजी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों के लाभ/हानि के आंकड़े/जानकारी सरकार द्वारा नहीं रखे जाते हैं।

*****

अनुलग्नक-।

क्रूड इस्पात का उत्पादन – राज्य-वार

राज्य	उत्पादन (हजार टन)				
	2017-18	**2018-19**	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**
आंध्र प्रदेश	6156	6933	6539	5898	7096
अरुणाचल प्रदेश	62	39	29	0	69
असम	229	83	67	59	108
बिहार	703	563	540	465	529
छत्तीसगढ़	13033	13164	13534	13183	14900
दादरा और नगर हवेली	246	291	285	145	253
दमन और दीव	33	50	46	40	46
दिल्ली	12	13	12	10	5
गोवा	345	429	423	400	407
गुजरात	8260	8654	8680	8403	9189
हरियाणा	806	803	596	731	941
हिमाचल प्रदेश	458	730	864	766	1265
जम्मू और कश्मीर	130	136	114	118	146
झारखंड	17113	17238	17209	15549	17094
कर्नाटक	12766	13327	12875	11688	13045
केरल	336	349	304	253	325
मध्य प्रदेश	144	506	438	369	569
महाराष्ट्र	8457	9114	8260	7925	11370
मेघालय	74	65	92	37	56
ओडिशा	16968	19299	20253	21432	23241
पुदुचेरी	162	190	210	179	215
पंजाब	2779	3611	3310	2917	3663
राजस्थान	793	1158	749	589	621
तमिलनाडु	2699	3036	2505	2159	2633
तेलंगाना	1070	1274	1154	1192	1464
त्रिपुरा	20	7	12	7	17
उत्तर प्रदेश	1001	1321	1198	1005	1197
उत्तराखंड	438	1069	1077	950	991
पश्चिम बंगाल	7840	7471	7764	7076	8836
कुल	**103131**	**110921**	**109137**	**103545**	**120293**

स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति, (जेपीसी)

*****